RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ई-पाठशाला कार्यक्रम

CLASS 10th SST

भूगोल

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ



RAPID REVISION

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ



वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

Q.1 निम्न से कौन-से दो दूरस्थ स्थित स्थान पूर्वी-पश्चिमी गलियारे से जुड़े हैं?

(A) मुंबई तथा नागपुर

(B) मुंबई और कोलकाता

(C) सिलचर तथा पोरबंदर

(D) नागपुर तथा सिलिगुड़ी

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

NHAI

Q.2 निम्नलिखित में से परिवहन का कौन-सा साधन वहनांतरण हानियों तथा देरी को घटाता है?

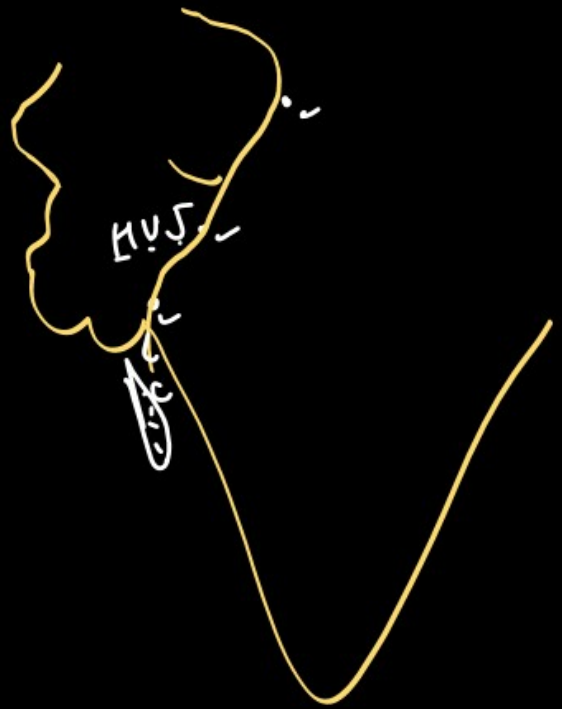
A रेल परिवहन

B पाइपलाइन

C सड़क परिवहन

D जल परिवहन

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ



Q.3 निम्न में से कौन-सा राज्य हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर पाइपलाइन से नहीं जुड़ा है?

A मध्य प्रदेश

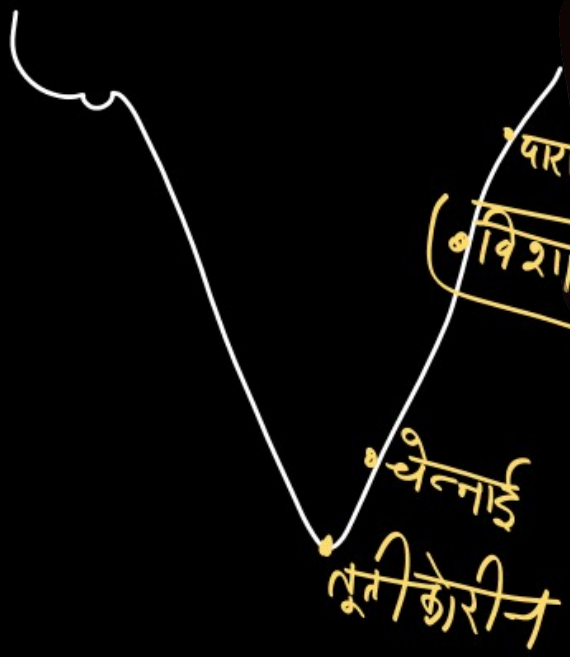
B गुजरात

C महाराष्ट्र

D उत्तर प्रदेश

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

Q.4 इनमें से कौन-सा पत्तन पूर्वी तट पर स्थित है जो अंतः स्थलीय तथा अधिकतम गहराई का पत्तन है तथा पूर्ण सुरक्षित है?



A चेन्नई

B तूतीकोरिन

C पारादीप

D विशाखापट्टनम

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 निम्न से कौन-सा शब्द दो या अधिक देशों के व्यापार को दर्शाता है?

A आंतरिक व्यापार

B बाहरी व्यापार

C अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

D स्थानीय व्यापार

व्यापार सन्तुलन

आयात मूल्य = निर्यात मूल्य

धनात्मक — निर्यात > आयात

ऋणात्मक — आयात > निर्यात

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार → आयात (क्रय), निर्यात (विक्रय)

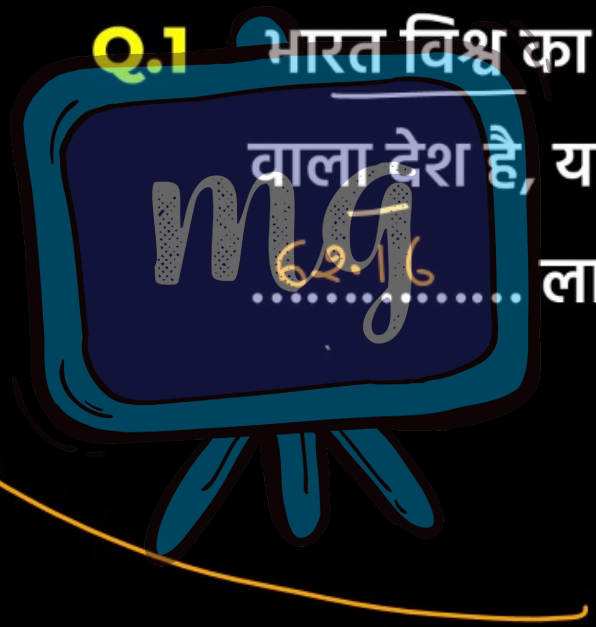
राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

रिक्तस्थान–

Q.1 भारत विश्व का दूसरा सर्वाधिक सड़क जाल वाला देश है, यह सड़क जाल लगभग ..... लाख किमी. है

(2020-21 के अनुसार)

I st → USA
II nd → India



राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

Q.2 विश्व की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग अटल टनल (9.02 किलोमीटर) BRO द्वारा बनाई गई है।

सीमा सड़क संगठन

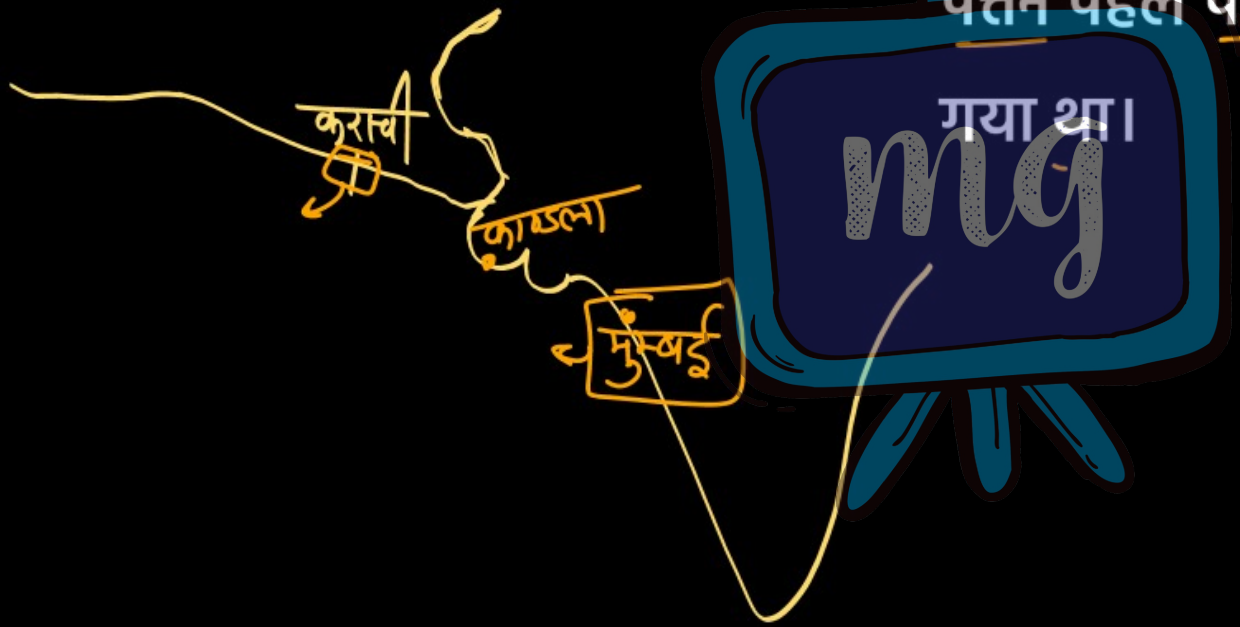


राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

Q.3 देश की पहली रेलगाड़ी 1853 में मुंबई और ठाणे के मध्य चलाई गई थी जो 34 किमी. की दूरी तय करती थी।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

Q.4 स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् कच्छ में ..कांडला.. पत्तन पहले पत्तन के रूप में विकसित किया गया था।



Q.5 भारत का डाक-संचार तंत्र विश्व का वृहत ..... है।



राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 व्यापार से आप क्या समझते हैं?



राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

Q.1 व्यापार से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : राज्यों व देशों में व्यक्तियों के बीच वस्तुओं का आदान-प्रदान व्यापार कहलाता है।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

Q.2 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को 'राष्ट्र का आर्थिक बैरोमीटर' क्यों कहा जाता है?



उत्तर :

एक देश के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की प्रगति उसके आर्थिक वैभव का सूचक होती है।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

- चूँकि संसाधनों की उपलब्धता क्षेत्रीय रूप से असमान होती है, इसलिए सभी देश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर निर्भर करते हैं, और इसी से देश की आर्थिक स्थिति का पता चलता है।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

Q.3 अनुकूल और असंतुलित व्यापार संतुलन में क्या अंतर है?

उत्तर :

आयात तथा निर्यात अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रमुख घटक हैं और इनका अंतर ही व्यापार संतुलन निर्धारित करता है।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

- यदि निर्यात मूल्य, आयात मूल्य से अधिक हो, तो उसे अनुकूल व्यापार संतुलन कहा जाता है, इसके विपरीत निर्यात की अपेक्षा अधिक आयात होना असंतुलित व्यापार कहलाता है।

Q.4 सीमांत सड़क संगठन (BRO) का मुख्य कार्य क्या है?

उत्तर :

- सीमा सड़क संगठन (BRO) की स्थापना वर्ष 1960 में की गई थी।
- इसका प्रमुख कार्य देश के उत्तर तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों के सीमांत क्षेत्रों में सामरिक महत्त्व की सड़कों का निर्माण करना और उनकी देख-रेख करना है।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

लघुत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 सड़क परिवहन की रेल परिवहन की अपेक्षा क्या मुख्य विशेषताएँ और लाभ हैं? विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

- सड़क परिवहन की महत्ता कई कारणों से रेल परिवहन से अधिक है।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

- सबसे पहले, रेलवे लाइन की अपेक्षा सड़कों की निर्माण लागत बहुत कम होती है।
- इन्हें अपेक्षाकृत ऊबड़-खाबड़, विच्छिन्न भू-भागों और अधिक ढाल प्रवणता तथा पहाड़ी क्षेत्रों में भी आसानी से निर्मित किया जा सकता है।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

- कम व्यक्तियों, कम दूरी और कम वस्तुओं के परिवहन के लिए सड़क परिवहन अधिक मितव्ययी होता है।
- यह उपभोक्ताओं को घर-घर सेवाएँ उपलब्ध करवाता है तथा सामान चढ़ाने व उतारने की लागत भी इसमें कम आती है।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

- इसके अतिरिक्त, यह अन्य परिवहन साधनों (जैसे रेलवे स्टेशन, वायु व समुद्री पत्तन) को आपस में जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है।

Q.2 स्वर्णिम चतुर्भुज महा राजमार्ग परियोजना क्या है? इसके प्रमुख उद्देश्यों और गलियारों का वर्णन कीजिए।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

उत्तर :

- भारत सरकार द्वारा देश के बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने के लिए एक बड़ी सड़क परियोजना शुरु की गई है, जिसके तहत दिल्ली-कोलकाता, चेन्नई-मुंबई और दिल्ली को जोड़ने वाले 6 लेन वाले 'स्वर्णिम चतुर्भुज महा राजमार्ग' का निर्माण किया गया है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इस परियोजना के अंतर्गत दो प्रमुख गलियारे भी प्रस्तावित हैं–प्रथम 'उत्तर-दक्षिण गलियारा' जो श्रीनगर को कन्याकुमारी से जोड़ता है, और द्वितीय 'पूर्व-पश्चिम गलियारा' जो असम के सिलचर को गुजरात के पोरबंदर से जोड़ता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इस महा राजमार्ग परियोजना का मुख्य उद्देश्य भारत के प्रमुख मेगासिटी (Mega cities) के मध्य की दूरी और परिवहन समय को न्यूनतम करना है।
- यह परियोजना 'भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण' (NHAI) के अधिकार क्षेत्र में आती है।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

Q.3 भारत में सड़कों की सक्षमता और उनके निर्माण के आधार पर उन्हें कितने वर्गों में विभाजित किया गया है? किन्हीं चार का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

उत्तर : भारत में सड़कों की सक्षमता के आधार पर इन्हें छह प्रमुख वर्गों में वर्गीकृत किया गया है:

1. स्वर्णिम चतुर्भुज महा राजमार्ग
2. राष्ट्रीय राजमार्ग
3. राज्य राजमार्ग
4. जिला मार्ग
5. अन्य सड़कें
6. सीमांत सड़कें।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

1. राष्ट्रीय राजमार्ग

- ये देश के दूरस्थ भागों को जोड़ते हैं और प्राथमिक सड़क तंत्र हैं, जो उत्तर से दक्षिण तथा पूर्व से पश्चिम दिशा में फैले हैं।
- इस महा राजमार्ग परियोजना का मुख्य उद्देश्य भारत के प्रमुख मेगासिटी (Mega cities) के मध्य की दूरी और परिवहन समय को न्यूनतम करना है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- यह परियोजना 'भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण' (NHAI) के अधिकार क्षेत्र में आती है।

2. राज्य राजमार्ग

- ये राज्यों की राजधानियों को जिला मुख्यालयों से जोड़ती हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. जिला मार्ग

- ये सड़कें जिले के विभिन्न प्रशासनिक केंद्रों को जिला मुख्यालय से जोड़ती हैं।

4. अन्य सड़कें

- इसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों और गाँवों को शहरों से जोड़ने वाली सड़कें आती हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क परियोजना के तहत विशेष प्रोत्साहन मिला है।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

Q.4 भारतीय रेल परिवहन के वितरण को प्रभावित करने वाले भू-आकृतिक, आर्थिक और प्रशासकीय कारकों का वर्णन कीजिए।



उत्तर :

- देश में रेल परिवहन के वितरण और विकास को कई कारक प्रभावित करते हैं।
- भू-आकृतिक दृष्टिकोण से, उत्तरी मैदान अपनी विस्तृत समतल भूमि, सघन जनसंख्या घनत्व, संपन्न कृषि और प्रचुर संसाधनों के कारण रेल परिवहन के विकास के लिए अत्यधिक अनुकूल रहा है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इसके विपरीत, प्रायद्वीपीय भारत में ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी क्षेत्रों, छोटी पहाड़ियों और सुरंगों के कारण निर्माण कार्य कठिन होता है।
- हिमालयी पर्वतीय क्षेत्र दुर्लभ उच्चावच, विरल जनसंख्या और आर्थिक अवसरों की कमी के कारण प्रतिकूल परिस्थितियाँ उत्पन्न करते हैं।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

- इसके अलावा पश्चिमी राजस्थान के मरुस्थल, गुजरात के दलदली भाग, मध्य प्रदेश के सघन वन-क्षेत्र तथा सह्याद्रि के घाट व दर्रे भी रेलमार्गों के विस्तार में बाधा डालते हैं।



राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

Q.5 भारतीय रेल परिवहन के सामने वर्तमान में कौन-सी प्रमुख समस्याएँ और चुनौतियाँ बनी हुई हैं?



राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

उत्तर :

- यद्यपि भारतीय रेल राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में परिवहन का सबसे प्रमुख साधन बन चुकी है, फिर भी यह कई समस्याओं से मुक्त नहीं है।
- सबसे बड़ी सामाजिक समस्या बिना टिकट यात्रा करना है, जिससे रेलवे को भारी राजस्व हानि होती है।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

- इसके अतिरिक्त, रेल संपत्ति की चोरी और उसकी क्षति पहुँचाने जैसी घटनाएँ भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं।
- कई बार यात्रियों द्वारा जंजीर खींचकर (Chain pulling) अनावश्यक रूप से गाड़ी को कहीं भी रोक दिया जाता है, जिससे रेलगाड़ियों का निर्धारित समय-चक्र बिगड़ता है और भारी नुकसान होता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इसके अलावा कठिन भूभागों जैसे कोंकण रेलवे क्षेत्र में भूस्खलन और ट्रैक के धँसने जैसी प्राकृतिक चुनौतियाँ भी बनी रहती हैं।



Q.6 पाइपलाइन परिवहन क्या है? इसके प्रमुख लाभों और देश के मुख्य पाइपलाइन जालों का वर्णन कीजिए।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

उत्तर :

- भारत के परिवहन मानचित्र पर पाइपलाइन एक नया और आधुनिक साधन है।
- पहले इसका उपयोग शहरों व उद्योगों में पानी पहुँचाने के लिए होता था, किंतु आज इसका उपयोग कच्चा तेल, पेट्रोल उत्पादों, प्राकृतिक गैस तथा तरल अवस्था में परिवर्तित ठोस पदार्थों को शोधनशालाओं, उर्वरक कारखानों और ताप विद्युत गृहों तक पहुँचाने में किया जाता है।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

- पाइपलाइन बिछाने की प्रारंभिक लागत अधिक होती है, परंतु इसकी संचालन (Running) लागत न्यूनतम है तथा इसमें वाहनांतरण देरी और हानियाँ लगभग नगण्य होती हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- देश में इसके तीन प्रमुख जाल हैं:

1. ऊपरी असम के तेल क्षेत्रों से कानपुर तक (गुवाहाटी व बरौनी के रास्ते)
2. गुजरात में सलाया से पंजाब के जालंधर तक (विरामगाँव, मथुरा व दिल्ली के रास्ते)
3. प्रसिद्ध 1,700 किमी लंबी हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर (HVJ) गैस पाइपलाइन।

Q.7 जल परिवहन के क्या लाभ हैं? भारत में अंतर्देशीय जलमार्गों की स्थिति और प्रमुख राष्ट्रीय जलमार्गों का उल्लेख कीजिए।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

उत्तर :

- जल परिवहन परिवहन का सबसे सस्ता साधन होने के साथ-साथ भारी व स्थूलकाय वस्तुएँ ढोने के लिए सबसे अनुकूल है।
- यह अन्य परिवहन साधनों की तुलना में अधिक ऊर्जा-सक्षम और पर्यावरण के अनुकूल होता है।
- भारत में अंत: स्थलीय नौसंचालन जलमार्ग 14,500 किमी लंबा है।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

- देश में अंतर्देशीय जल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 के तहत 111 जलमार्गों को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया गया है। इनमें प्रमुख हैं—

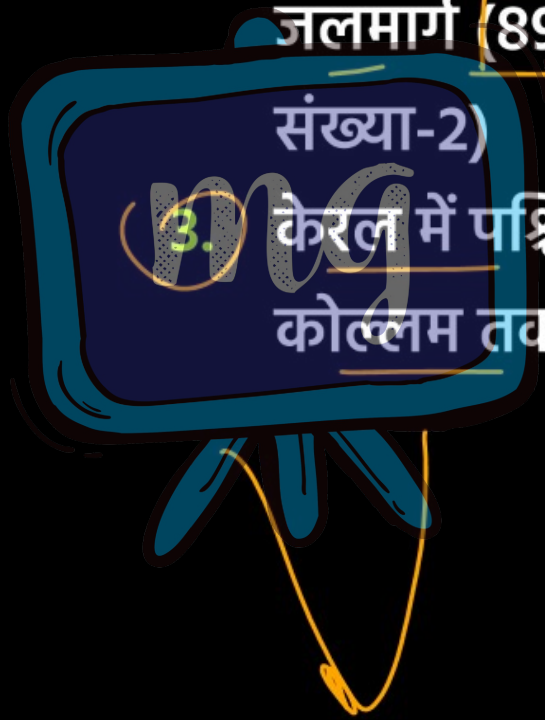
1. हल्दिया तथा प्रयागराज के मध्य गंगा जलमार्ग (1620 किमी, राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या-1)

NW-1

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

2. सदिया (असम) व धुबरी के मध्य ब्रह्मपुत्र नदी जलमार्ग (891 किमी, राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या-2)

3. केरल में पश्चिम-तटीय नहर (कोट्टापुरम से कोल्लम तक, राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या-3)।



Q.8 भारत के पूर्वी और पश्चिमी तट पर स्थित प्रमुख समुद्री पत्तनों (बंदरगाहों) की स्थिति और उनके विशेष कार्यों का वर्णन कीजिए।**

उत्तर : भारत की लंबी तटरेखा पर 12 प्रमुख पत्तन हैं जो देश का 95 प्रतिशत विदेशी व्यापार संचालित करते हैं।

- पश्चिमी तट के प्रमुख पत्तन
  - दीनदयाल पत्तन (कांडला, गुजरात) एक ज्वारीय पत्तन है जो खाद्यान्न और औद्योगिक आयात-निर्यात संभालता है;
  - मुंबई देश का वृहत्तम प्राकृतिक पत्तन है;

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

- मार्मागाओ पत्तन देश के कुल लौह अयस्क निर्यात का आधा हिस्सा निर्यात करता है;
- न्यू-मंगलौर कुद्रेमुख खानों के लोहे का निर्यात करता है
- कोचीन एक लैगून के मुहाने पर स्थित प्राकृतिक पोताश्रय है।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

- पूर्वी तट के प्रमुख पत्तन
  - तूतीकोरिन, श्रीलंका व मालदीव से व्यापार करता है;
  - चेन्नई देश का प्राचीनतम कृत्रिम पत्तन है;
  - विशाखापत्तनम गहरा, सुरक्षित और स्थल से घिरा पत्तन है;
  - पारादीप मुख्य रूप से लौह अयस्क का निर्यात करता है;

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- कोलकाता एक अंतःस्थलीय नदीय पत्तन है जिसकी सहायता के लिए हल्दिया सहायक पत्तन विकसित किया गया है।



Q.9 वायु परिवहन के क्या महत्त्व और विशिष्ट लाभ हैं? भारत में इसके योगदान का वर्णन कीजिए।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

उत्तर :

- वायु परिवहन आज के समय में परिवहन का तीव्रतम, सबसे आरामदायक और प्रतिष्ठित साधन है।
- इसके माध्यम से अति दुर्गम स्थानों जैसे ऊँचे पर्वतों, मरुस्थलों, घने जंगलों और लंबे समुद्री रास्तों को अत्यंत सुगमता से पार किया जा सकता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- विशेषकर उत्तर-पूर्वी राज्यों में, जहाँ बड़ी नदियाँ, विच्छिन्न धरातल, घने जंगल और निरंतर बाढ़ जैसी समस्याएँ सामान्य हैं, हवाई यात्रा ने इस क्षेत्र को देश के बाकी हिस्सों के प्रति अधिक अभिगम्य बना दिया है।
- इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के आंतरिक तथा दुर्लभ भू-भागों में भी वायु परिवहन व 'पवन हंस हेलीकाप्टर लिमिटेड' द्वारा आपातकालीन व आवश्यक सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

- क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा 'उड़ान' योजना भी चलाई जा रही है।



राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

Q.10 भारत के डाक-संचार तंत्र की क्या विशेषता है? इसकी प्रथम श्रेणी और द्वितीय श्रेणी की डाक सेवाओं में क्या अंतर है?



राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

उत्तर : भारत का डाक-संचार तंत्र दुनिया का सबसे वृहत्तम (बड़ा) तंत्र है, जो पार्सल, निजी पत्र व्यवहार और तार आदि का संचालन करता है। डाक सेवाओं को दो श्रेणियों में बाँटा गया है:

- **प्रथम श्रेणी की डाक**
  - इसके अंतर्गत कार्ड व लिफाफा बंद चिट्ठियाँ आती हैं।
  - इन्हें विशेष रूप से प्राथमिकता दी जाती है और विभिन्न स्थानों पर शीघ्रता से पहुँचाने के लिए वायुयान द्वारा भेजा जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

- **द्वितीय श्रेणी की डाक**
  - इसके अंतर्गत रजिस्टर्ड पैकेट, किताबें, अख़बार तथा मैगज़ीन शामिल हैं।
  - इन्हें धरातलीय डाक के माध्यम से पहुँचाया जाता है, जिसके लिए मुख्य रूप से स्थल और जल परिवहन का उपयोग किया जाता है।
- बड़े शहरों में शीघ्रता के लिए छह विशेष डाक मार्ग (राजधानी चैनल, मेट्रो चैनल, ग्रीन चैनल, व्यापार चैनल, भारी चैनल तथा दस्तावेज़ चैनल) बनाए गए हैं।